

कन्नड़

कक्षा-10.

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2021-22 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

गद्य-

- (10) यशुविना कोन्य दीना
- (11) मन्थ सूलोगन्थर
- (12) टुंग भुजंग कर्थ

पद्य-

- (6) विलाणु
- (9) ननागाडेंपाध्यम
- (11) करननारेन्द्र

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कन्नड़

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

भाग-अ

35 अंक

अ-व्याकरण-

17 अंक

- (1) सन्धि, समास
- (2) पैरा फ्रेजिंग (Para Phrasing) सरलीकरण/अपने शब्दों में लिखना।
- (3) पर्यायवाची एवं विलोम शब्द।

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग करना ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषायी चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

ब-मुहावरे तथा लोकोक्तियां

13 अंक

2 रचना-

(अ) निबन्ध रचना-वर्णनात्मक, सामाजिक (पारिवारिक एवं विद्यार्थी जीवन के सम्बन्ध में) कथात्मक (निबन्ध 150 से 200 शब्दों में)

(ब) पत्र लेखन (सम्पादक को व्यापारिक पत्र एवं प्रार्थना-पत्र)।

3-अपठित गद्यांश का बोध कराना।

05 अंक

भाग-ब

35 अंक

निर्धारित पुस्तकें (गद्य एवं पद्य)-

कन्नड़ भारतीय-10, प्रकाशक, नव कर्नाटक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, इम बहसी सेन्टर, क्रिट रोड, पोस्ट आफिस 5159, बंगलोर।

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे-

(अ) गद्य (विस्तृत अध्ययन)

14 अंक

- (1) साध्याव
- (2) ननताख
- (3) नीबू वैध्यार मानू पिकितों
- (4) मानादानिया नोदी मानीदेय
- (5) बसावननवारू कतावियासिदा समाज

- (6) किसागोतामी
- (7) अदायावान्ति के असमास्यागालू
- (8) चिपको चलीवालि
- (9) डा0 आम्बेदकर वैयक्तित्व

(ब) पद्य

14 अंक

- (1) अराइके
- (2) महात्मा
- (3) जुगाडा समाकू
- (4) सगाडा श्रीवन्तु
- (5) बन्धव्य
- (7) अम्बिगा ना निन्न नंविदे
- (8) अक्कनावचनागालू
- (10) पुराणपुठयमक पुआस्ता अपिन्दे पौगुटिगे
- (12) कुरू कुलख्य नम्वार केन उमसकर तरेयादिदार

सहायक पुस्तक-

7 अंक

- (1) जोत्याली
- (2) नग गा (1994) प्रकाशक (एन0बी0टी0)

निम्नलिखित पाठ पढ़ने होंगे-

- (1) साके चिली
- (2) ओम भाट हाटो
- (3) सुमारी भुवन
- (4) तातीकु केन्द्र एक ऋवैसु
- (5) प्राथनाये प्रभाव
- (6) लिंगिनटा एवं वुदाद
- (7) हाजी वक्लोल
- (8) भुत्वा कुदूर
- (9) दौधस्यो पीचु हनुगालू
- (10) मूऊ जनाऊ अटाक
- (11) उताना
- (12) अतिस्य विवेकहा